पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.04.2016 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्
शिक्षक अभ्यास शिविर
उद्घाटन: 8 अप्रैल, सायं 5 बजे
दीक्षा समारोह:
रविवार, 10 अप्रैल 2016,
सायं 5 से 6.30 बजे तक
स्थान: गुरूकुल खेड़ाखुर्द,दिल्ली
आप सपरिवार आमन्त्रित हैं

वर्ष-32 अंक-19 चैत्र-2073 दयानन्दाब्द 192 01 अप्रैल से 15 अप्रैल 2016 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.04.2016, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ने 85 वें बलिदान दिवस पर किया ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ''

वोट बैंक या देश ''प्रथम'' यह निर्णय अब करना ही होगा

शशि थरूर का वक्तव्य शहीदों का अपमान – डा.अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष

जन्तर मन्तर पर प्रदर्शन करते डा. अनिल आर्य, साथ में महेन्द्र भाई, रविन्द्र मेहता, चौ.लाजपतराय आर्य, सुदेश भगत, राजेन्द्र सिंह, आर. आर. आर्य, कै. अशोक गुलाटी, प्रणवीर आर्य, सौरभ गुप्ता, वरूण आर्य, प्रकाशवीर शास्त्री, महावीरसिंह आर्य, ओमप्रकाश डंग, नरेन्द्र सुमन, अरूण आर्य, रामकुमारसिंह, देवदत आर्य, प्रदीप आर्य आदि जुझारू आर्य जन।

बुधवार, 23 मार्च 2016, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में ''जन्तर मन्तर'' पर अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव के 85 वें बलिदान दिवस पर परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य के नेतृत्व में ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ व आंतकवाद विरोधी दिवस'' का आयोजन कर स्वतन्त्रता सग्रांम के महान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सैंकड़ों आर्य समाजियों ने पहुॅच कर देश की एकता व अखण्डता की रक्षा का संकल्प लिया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य प्रकाशवीर शास्त्री ने ''राष्ट्र की रक्षा'' के लिये आहुतियां डलवाई। इस अवसर पर नव वर्ष विक्रमी सम्वत् 2073 के अवसर पर राष्ट्र की सुख समृद्विकी प्रार्थना की गई।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अन्तर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि समय की मांग है कि जम्मू कश्मीर से धारा 370 अविलम्ब समाप्त कर उसे देश की मुख्य धारा के साथ जोड़ा जाये तथा सेना को खुली छूट दी जाये जिससे वह आंतकवादियों व उनके सरंक्षकों को सख्ती से कुचले सके, देश की अखण्डता की कीमत पर कोई गठबन्धन नहीं रखा जा सकता। उन्होंने इस बात पर रोष जताया की आज भी अनेकों आंतकवादी जेलों में बन्द हैं तथा देश पर बोझ बने हुए हैं उन सब को अविलम्ब फांसी दी जाये। उन्होंने कहा कि आज देश में कहीं पर पाकिस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाये जाते है और कहीं तिरंगा जलाया जाता है ऐसे देशद्रोहियों को सरकार को कठोरता से कुचलना चाहिये।

डा.अनिल आर्य ने शहीद भगतसिंह पर दिए शशि थरूर के वक्तव्य की कड़ी निन्दा करते हुए इसे देश के शहीदों का अपमान बताया, उन्होंने कहा कि वोट बैंक या देश ''प्रथम'' इसका निर्णय अब करना ही होगा। भारत माता व वन्देमातरम पर विवादस्पद वक्तव्य देने वाले तथाकथित नेता देश के वफादार नहीं हो सकते।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के महामन्त्री प्रो.विठ्ठलराव आर्य (हैदराबाद) ने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियों में युवा पीढ़ी का दायित्व बढ़ गया है,अब युवकों को जातिवाद,भ्रष्टाचार,क्षेत्रवाद के विरूद्वआगे आना होगा। जिन उद्देश्यों के लिए उन अमर शहीदों ने अपना बलिदान दिया था, समाज वास्तव में उसे भूल गया है। आवश्यकता इस बात की है कि हम पहले राष्ट्र, फिर पार्टी व स्वयं के बारे में सोचें तभी राष्ट्र का कल्याण हो सकता है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सार्वदेशिक सभा के नेतृत्व में हरिद्वार कुम्भ मेले पर वेद प्रचार शिविर प्रारम्भ

रविवार, 20 मार्च 2016,हरिद्वार अर्धकुम्भ मेले के अवसर पर सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्य वेश जी के कृशल नेतृत्व में प्लाट न.18–20,गौरी शंकरदीप में दिनांक 20 मार्च से 13 अप्रैल 2016 तक वेद प्रचार शिविर का भव्य शुभारम्भ हुआ। स्वामी चन्द्रवेश जी यज्ञ के ब्रह्मा रहे। चित्र में स्वामी आर्यवेश जी उद्बोधन देते हुए, साथ में मंच पर डा. अनिल आर्य, धर्मपाल आर्य, वीरेन्द्र पंवार, प्रेमप्रकाश शर्मा, उतराखण्ड सभा प्रधान गोबिन्दसिंह भण्डारी, स्वामी सच्चिदानन्द जी (यमुना नगर), स्वामी सौम्यानन्द जी (मथुरा) आदि। द्वितीय चित्र–स्वामी आर्यवेश, डा. अनिल आर्य व गोबिन्दसिंह भण्डारी ध्वजारोहण करते हुए। आचार्य सन्तराम आर्य, बहन पूनम, प्रवेश,ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य, मनमोहन आर्य (देहरादून), राजेन्द्रयादव (अमेरिका), सुरेन्द्र आर्य (पौढ़ी गढ़वाल) आदि गणमान्य आर्य उपस्थित थे। समारोह का वीरेन्द्र पवांर ने कुशल संचालन किया। सम्मेलन स्थल पर ही सार्वदेशिक सभा की ''साधारण सभा'' की बैठक दिनांक 9 व 10 अप्रैल 2016 को हरिद्वार में बुलाई गई है।

होली और उसके पूर्व महाभारतकालीन स्वरुप पर विचार

—मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून।

भारत और भारत से इतर देशों में जहां भारतीय मूल के लोग रहते हैं, प्रत्येक वर्ष फाल्गुन माह की पूर्णिमा के दिन रंगों का पर्व होली हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाता है। होली के अगले दिन लोग नाना रंगों को एक दूसरे के चेहरे पर लगाते हैं, मिठाई व पकवानों का वितरण आदि करते हैं और कुछ हुड़दंग भी करते हैं। क्या होली का प्राचीन स्वरुप भी वर्तमान जैसा था? इससे कुछ भिन्न था वा यह वर्तमान स्वरूप पूर्व की विकृति वा रूपान्तर है?

विचार करने पर ज्ञात होता है कि भारत की धर्म व संस्कृति 1.96 अरब पुरानी है। महाभारत काल, आज से लगभग 5000 वर्ष पूर्व, तक वैदिक संस्कृति अपने मूल स्वरूप में देश देशान्तर में विद्यमान रही। इसका प्रमाण है कि भारत में वेदों के साक्षात ज्ञानी, ऋषि, मुनि व योगी महाभारत काल तक बहुतायत में रहे हैं। दूसरा प्रमाण यह है कि न भारत में और न हि विश्व के किसी अन्य देश में आज से पांच हजार वर्ष पूर्व की किसी अन्य धर्म, संस्कृति का कोई प्रमाण मिलता है। महाभारत ग्रन्थ में ऐसे अनेक प्रमाण है कि प्राचीन काल में भारत के लोग विश्व वा यूरोप के प्रायः सभी देशों में आते जाते थे। मनुस्मृति ग्रन्थ सृष्टि के आदि में रचा गया जिसमें वर्णन है कि यह आर्यावर्त्त देश ही संसार का अग्रजन्मा देश है। संसार के सभी देशों के लोग यहां विद्यार्जन करने आते थे और अपने योग्य चरित्र आदि की शिक्षा लेते थे। यहां से वेदों आदि व सभी विद्याओं का ज्ञान प्राप्त कर अपने देश में उसका प्रचार व उपयोग करते कराते थे।

वेद मनुष्य के जीवन को सुखमय बनाने के लिए ईश्वरोपासना सहित पंचमहायज्ञों का विधान करते हैं। इन पंच महायज्ञों में मनुष्यों के अनेक व अधिकांश कर्तव्य आ जाते हैं। वैदिक धर्म व संस्कृति "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना को मानने वाली संस्कृति है। यहां सभी लोग सृष्टि के आदि काल से 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।।' की प्रार्थना करते आ रहे हैं। अतः आज जैसी होली महाभारतकाल तक भारत व विश्व में कहीं होने की कोई सम्भावना नहीं है। अनुमान है कि वर्तमान जैसी होली का प्रचलन मध्यकाल में पुराणों की रचना से कुछ समय पूर्व व रचना होने से प्रचलित हुआ। प्राचीन काल में तो प्रत्येक माह पूर्णमास पर बड़े–बड़े यज्ञों का प्रचलन होने का अनुमान होता है। वृहत यज्ञों के उस प्राचीन स्वरूप का अनुसरण ही मध्यकाल से प्रचलित होकर वर्तमान काल तक फाल्गुन की पूर्णिमा के दिन रात्रि को होली जलाकर किया जा रहा है। यज्ञ से वायुमण्डल शुद्ध, पवित्र, सुगन्धित व स्वास्थ्यवर्धक होता है। यज्ञ से बादल बनते हैं, समय पर आवश्यकतानुसार वर्षा होती है, अतिवृष्टि वा अनावृष्टि नहीं होती, शुद्ध, पवित्र व स्वास्थ्यवर्धक अन्न उत्पन्न होता है व यज्ञ में देवपूजा, संगतिकरण व दान करने से ऐसे अनेक लाभों सहित हमारे अन्दर पाप की प्रवृत्ति का भी शमन होता है। इसके साथ अदृष्ट धर्म लाभ भी होता है जिससे हमारा वर्तमान, भविष्य, परजन्म सुधरता है व अच्छे कर्मों के सग्रंह से मोक्ष की प्राप्ति की ओर जीवात्मा प्रवृत्त होता है।

फाल्गुन की पूर्णिमा को मनाये जाने का एक कारण यह भी है कि भारत में सृष्टि के आदि काल से प्रचलित चौत्र, बैसाख, ज्येष्ठ, आषाण आदि बारह हिन्दी महीने जो चौत्र से आरम्भ होकर फाल्गुन की पूर्णिमा को समाप्त होते हैं, उनमें फाल्गुन पूर्णिमा वर्ष का अन्तिम दिन होता है। आज हिन्दी के बारह महीनों का अन्तिम महिना फाल्गुन का अन्तिम दिन है। एक प्रकार से वर्ष का अन्त हो रहा है। कल से चौत्र का महीना आरम्भ होगा। यह वर्ष का पहला महीना होता है। अतः वर्ष के अन्त पर वृहत्त यज्ञ का आयोजन कर उसे विदाई दी जाती थी और हो सकता है कि नये वर्ष के प्रथम महीने चौत्र के प्रथम दिन को नये वर्ष के रूप में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाता रहा हो। इसका इतना अभिप्राय हो सकता है कि यदि किसी का किसी के प्रति कोई द्वेष भाव होता रहा होगा तो इस दिन उसे छोड़ने का संकल्प लिया जाता होगा व ऐसे लोग परस्पर मिलकर आपस में प्रेम व मैत्री पूर्ण संबंध पुनः स्थापित करने की प्रतिज्ञा करते होंगे। उसी का कुछ विकृत रूप आज एक दूसरे पर रंग लगाकर, गले मिलकर, स्वादिष्ट पदार्थों का परस्पर वितरण करके व रंग डालकर मनाने की परम्परा मध्यकाल व उसके बाद से चल पड़ी है। ऐसा देखा जाता है कि इस दिन लोग हुड़दंग करते हैं, कुछ नशा करके गलत उदाहरण भी प्रस्तुत करते हैं तथा कहीं कहीं परस्पर लड़ाई झगड़े आदि भी हो जाते हैं। वर्तमान का समय शिक्षा व आधुनिकता का युग है अतः सभी को सभ्यता का अच्छा उदाहरण इस दिन प्रस्तुत करना चाहिये।

यह भी विचारणीय है कि होली से पूर्व शीत के महीने होते हैं। शीत ऋतु वृद्ध लोगों के लिए तो कष्टकर होती ही है परन्तु साथ हि युवा व बच्चों सहित निर्धन लोगों के लिए भी अति कष्टदायक होती है। अतः ऋतु परिवर्तन से शीत की निवृत्ति व सबके लिए सुखद ऋतु वसन्त के होने पर सबका हर्षित व प्रसन्न होना स्वाभाविक ही है। देश के कृषक लोग भी इस अवसर पर प्रसन्नता व सुख का अनुभव करते हैं क्योंकि उनकी गेहूं व अन्य फसलें पक कर तैयार होती हैं। सारा वातावरण नये नये फूलों की सुगन्ध से सुवासित होता है। सभी वृक्ष अपने पुराने पत्ते–पत्तियों का त्याग कर नये हरे पत्ते धारण करते हैं जिस प्रकार मनुष्य पुराने वस्त्रों को छोड़कर नये वस्त्र धारण करता है। इससे सारा वातावरण व उसका परिदृश्य मनमोहक व लुभावना बन जाता है। ऐसे में सामान्य मनुष्य का मन कुछ आमोद प्रमोद की बातों में लगना स्वाभाविक होता है जिसकी अभिव्यक्ति होली के चौत्र कृष्ण प्रथमा के पर्व से होती है। इतना ही निवेदन है कि मनुष्य को जोश के साथ होश भी रखना चाहिये। कहीं किसी के द्वारा इस पर्व पर कोई अमर्यादित बात व कार्य नहीं होना चाहिये। वैदिक साहित्य का अध्ययन कर हमें लगता है कि सभी परिवारों में पूर्णिमा व अगले दिन प्रथमा को अनिवार्य रूप से अग्निहोत्र व हवन का प्रचलन होना चाहिये जिसमें किसान अपनी नई फसल वा गेहूं की बालियों की आहुतियां भी दे सकते हैं जिससे यह पर्व मनाना सार्थक होता है। इस प्रकार यज्ञ पूर्वक होली को मनाना होली का मुख्य प्रतीक बनना चाहिये। इससे लाभ ही लाभ होगा। समाज, पर्यावरण व देश सभी उन्नत होंगे और ईश्वर प्रदत्त प्राचीन वैदिक धर्म व संस्कृति उन्नति को प्राप्त होगी।

होली के दिन प्रायः सभी घरों में स्वादिष्ट भोजन व नाना प्रकार के पकवान बनते हैं और लोग परस्पर अपने पड़ेसियों व मित्रों में इसका वितरण व सेवन आदि करते हैं। यह अच्छी प्रथा है। लेख को विराम देने से पूर्व इतना और निवेदन है कि इस दिन सभी समर्थ व सम्पन्न लोगों को समाज क निर्धन व साधनहीन लोगों तक अपनी ओर से उनके उपयोग की कुछ वस्तुयें वितरित करने का प्रयास करना चाहिये और उनको आगे बढ़ाने का कुछ सहयोग किया जा सके तो इसका विचार करना चाहिए। आज होली के दिन हमने कुछ क्षण जो चिन्तन किया है, उसे आपको सादर भेंट करते हैं और सभी बन्धुओं व मित्रों को हमारी होली के पर्व की बहुत बहुत शुभकामनायें हैं।

– 196 चुक्खूवाला–2, देहरादून–248001, फोनः09412985121

॥ ओ३म्॥

❖ निमंत्रण ❖ ❖ निमंत्रण ❖

उज्जैन चलो...

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्

के तत्वावधान में

सिंहस्थ कुंभ मेला उज्जैन में

दिनांक : 22 अप्रैल 2016 से 21 मई 2016 तक

स्थान : प्लॉट क्रं. 577, दत्त अखाड़ा क्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.)

विराट् वेद प्रचार शिविर

❖ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ ❖

❖ वेद कथा – भजनोपदेश ❖ योग प्राणायाम ध्यान शिविर ❖

❖ आर्य युवक निर्माण शिविर ❖ राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन ❖

महोदय /महोदया,

इस **विराट् वेद प्रचार शिविर** में होने वाला व्यय आप सभी के सहयोग से ही पूर्ण होगा। अत: आप से निवेदन है कि इस सामाजिक - रचनात्मक - धार्मिक - वेदप्रचार के विशाल कार्यक्रम में आपका तन-मन -धन का सहयोग अपेक्षित है, अत: कृपया दान राशि क्रास चेक / ड्राफ्ट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् म.प्र.'' के नाम से प्रान्तीय कार्यालय: आर्यसमाज 219, संचार नगर, कनाड़िया रोड़, इन्दौर में भेज कर रसीद प्राप्त करें।

नोट : 1. चतुर्वेद पारायण महायज्ञ में दिनांक 22 अप्रैल में 2016 से 21 मई 2016 यज्ञमान बनने हेतु शीघ्र पंजीकरण करा कर पुण्य लाभ लेंवे।

2. चतुर्वेद पारायण महायज्ञ हेतु हवन सामग्री देशी घी एवं यज्ञ प्रसाद हेतु दान देकर अवश्य सहयोग बनें।

3. इस एक माह के विशाल कार्यक्रम में ऋषि–लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, शुद्ध घी, सब्जी आदि खाद्य सामग्री देकर पुण्य के भागी बनें ।

विशेष: 4. आगंतुक अतिथियों से निवेदन है कि वे उज्जैन में आने की सूचना मोबाईल: 9977967777, 9977987777 एवं ई–मेल: aacharyabhanu@yahoo.com पर अवश्य सूचित करें जिससे कि समुचित आवास आदि की व्यवस्था हो सके।

पुनश्च: इस पुनीत महायज्ञ में आप सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित अवश्य पधारें।

डॉ. अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष, के. आ. यु. प. दिल्ली उपप्रधान, सार्वदेशीक आर्य प्रतिनिधी सभा दिल्ली	महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामंत्री, के. आ. यु. प. दिल्ली	धर्मपाल आर्य राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, के. आ. यु. प. दिल्ली
आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार अध्यक्ष, के. आ. यु. प. (म.प्र.) अध्यक्ष, अखिल भारतीय आर्य सभा म.प्र.	शंकर देव आर्य महामंत्री, के. आ. यु. प. (म.प्र.)	महेश राठौड़ कोषाध्यक्ष, के. आ. यु. प. (म.प्र.)

मुख्य कार्यालय : आर्य समाज संचार नगर एक्स., इन्दौर (म.प्र.) 452016

www.indorearyasamaj.com | www.vedicparniy.com | www.aryasamaj.co | aryasamajindore@yahoo.com

aacharybhanu@yahoo.com | Mob: 9977-96-7777, 9977-98-7777, 9977-95-7777

केन्द्रीय आर्य युवक की गतिविधियां समाचार पत्रों में प्रकाशित

आर्य समाज ने 'राष्ट्र रक्षा यज्ञ' का किया आयोजन

▶▶शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव के बलिदान से प्रेरणा लें युवा: डा.अनिल आर्य

वीर अर्जुन संवाददाता

नई दिल्ली। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में ''जन्तर मन्तर'' पर अमर शहीद भगतसिंह,राजगुरू,सुखदेव के 85 वे बलिदान दिवस पर परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य के नेतृत्व में ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ व आंतकवाद विरोधी दिवस'' का आयोजन कर स्वतन्त्रता सग्राम के महान शहीदो को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सैकडों आर्य समाजियों ने पहुँच कर देश की एकता व अखण्डता की रक्षा का संकल्प लिया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य प्रकाशवीर शास्त्री ने ''राष्ट्र की रक्षा'' के लिये आहुतियां डलवाई। इस अवसर पर नव वर्ष विक्रमी सम्वत् 2073 के अवसर पर राष्ट्र की सुख समृद्धि की प्रार्थना की गई केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष व आर्य समाज के अन्तर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि अब जम्मू कश्मीर से धारा 370 ...

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में जन्तर मन्तर पर आयोजित ''राष्ट्र रक्षा यज्ञ व आंतकवाद विरोधी दिवस'' के दौरान नेता डा.अनिल आर्य व अन्य।

... जिन्दाबाद के नारे लगाये जाते है और कहीं तिरंगा जलाया जाता है ऐसे देशद्रोहियो को सरकार को कठोरता से कुचलना चाहिये। डा.अनिल आर्य ने शहीद भगतसिंह पर दिए शशि थरूर के बक्तव्य की कडी निन्दा करते हुए इसे देश के शहीदो का ... कहा कि वोट बैंक या देश ... जातिवाद,भ्रष्टाचार,क्षेत्रवाद के विरूद्ध आगे आना होगा। जिन उद्देश्यों के लिए उन अमर शहीदो ने अपना बलिदान दिया था, समाज वास्तव मे उसे भूल गया है। आवश्यकता इस बात को है कि हम पहले राष्ट्र, फिर पार्टी व स्वयं के बारे मे सोचे तभी राष्ट्र का कल्याण हो सकता है। परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री महेन्द भाई ने कहा कि आज को युवा ... सही इतिहास को पढाये जाने ... श्री दर्शन अग्निहोत्री ने कहा कि देश की लडाई मे जेल जाने वाले 80 प्र... समाजी थे, आज राष्ट्र धर्म का पालन को करना और करवाना भी होगा। आर्य नेता रविन्द मेहता,जगदी... द सुमन,रामकुमारसिंह,गोपाल आर्य, प्रवीन आर्य(गाजियाबाद) ...

बृहस्पतिवार । 24 मार्च 2016

जंतर-मंतर पर भी दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (ब्यूरो)। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के बैनर तले बुधवार को जंतर-मंतर पर शहीद भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में आर्य समाजियों ने देश की एकता व अखंडता की रक्षा का संकल्प ...

शहीदी दिवस पर याद आए भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव

... ने विधानसभा परिसर में किया शहीदों की प्रतिमा का अनावरण

... सत्ता संवाददाता

... 23 मार्च। शहीदी दिवस के ... र को मुख्यमंत्री अरविंद ... विधानसभा परिसर में भगत सिंह, ... देव की प्रतिमा का अनावरण ... न विधानसभा अध्यक्ष राम ... और उपमुख्यमंत्री मनीष ... अन्य लोग भी मौजूद थे।

वहीं जंतर-मंतर पर आर्य समाज ने राष्ट्र रक्षा यज्ञ आयोजित कर युवाओं को शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान से प्रेरणा लेने की बात कही। आर्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सरकार को देशद्रोहियों और उनके संरक्षकों से कठोरता ने निपटना चाहिए। क्रांतिकारी मनुवादी मोर्चा ने भी नोएडा स्थित अपने ...

नई दिल्ली, 24 फरवरी 2016 दैनिक जागरण | 9

जेएनयू विवाद को लेकर किया प्र...

- आर्य समाज ने की आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग
- कश्मीर में मुठभेड़... जवानों को दी श्रद्धा...

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: कश्मीर में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए जवानो के श्रद्धांजलि देने के लिए आर्य समाज व आर्य युवक परिषद् की ओर से मंगलवार को जंतर-मंतर पर यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान भारी संख्या में यहां जुटे लोगों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

इसके साथ ही जेएनयू प्रकरण को लेकर विरोध प्रदर्शन का भी आयोजन किया गया। इसमें प्रदर्शनकारियों ने सभी दोषियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की। युवक परिषद् के अध्यक्ष डॉ अनिल आर्य ने जेएनयू में लगे देश विरोधी नारों की निंदा की और सरकार से ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटने की मांग की, ताकि देश के टुकड़े करने वाले अपनी आवाज फिर से बुलंद नहीं कर सकें।

इस दौरान सभी युवाओं से देश निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने की अपील की गई। उनसे ऐसी बुराई के खिलाफ लड़ने को कहा गया, जो देश के लिए खतरा बन सकती है। साथ ही अपनी मांगों को लेकर परिषद् की ओर से प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया।

जेएनयू विवाद के विरोध में मंगलवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करते आर्य समाज व आर्य युवक परिषद के कार्यकर्ता। जागरण

3 वीर अर्जुन

कश्मीर में शहीद सैनिकों को जन्तर मन्तर पर यज्ञ कर दी श्रद्धांजलि

▶▶आतंकवादियों व उनके संरक्षको से सख्ती से निपटा जाए, जेएनयू में हुई देश द्रोही घटना दुर्भाग्यपूर्ण: आर्य नेता अनिल आर्य

हमारे संवाददाता

नई दिल्ली। मंगलवार, 23 फरवरी 2016, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली व आर्य समाज की ओर से नई दिल्ली के ''जन्तर मन्तर'' पर कश्मीर आतंकवादी हमले में शहीद जवानो को यज्ञ कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा गत दिनों जे.एन.यू. में घटित देश द्रोही घटना की कडी निन्दा करते हुए दोषियों को अविलम्ब गिरफ्तार करने की मांग की गई। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य के नेतृत्व में श्रद्धांजलि ... व राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकडो आर्य समाजियो ने पहुँच कर देश की एकता व अखण्डता की रक्षा की शपथ ग्रहण की। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने कहा कि समय की मांग है कि सरकार आंतकवादियो व उनके संरक्षको को सख्ती से कुचले, देश की रक्षा की कीमत पर कोई समझौता नहीं हो सकता। डा.आर्य ने रोष जताया की अफजल गुरू का महिमा मण्डन करने वाले कभी देश भक्त नहीं हो सकते, जे.एन.यू. विश्वविद्यालय की घटना अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण व चिन्ताजनक है कि शिक्षा के मन्दिर मे कैसी युवा पीढी का निर्माण हो रहा है। आज पूरी शिक्षा प्रणाली पर पुर्नविचार करने व उसे बदलने की अवश्यकता है जिससे देशभक्त, ईश्वर भक्त, संस्कारवान व चरित्रवान युवा शक्ति का निर्माण हो जिस पर राष्ट्र व समाज भरोसा कर सके।

परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री महेन्द्र भाई ने कहा कि जब तक देश मे एक समान आचार संहिता लागू नहीं होगी तब तक समस्या का हल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि देश की वर्तमान परिस्थितियो मे युवा पीढी का दायित्व बढ गया है, अब युवको को जातिवाद, भ्रष्टाचार, क्षेत्रवाद के विरूद्ध आगे आना होगा। जिन स्वपनों के भारत की कल्पना हमारे शहीदो ने की थी उनको पूरा करना है। भारतीय सेना के वीर जवानों को बधाई दी गई की वह हर परिस्थिति मे देश की रक्षा करते है।

श्री प्रवीन आर्य (प्रान्तीय महामन्त्री,उ.प्र.) ने कहा कि देश की आजादी की लडाई में 80 प्रतिशत लोग आर्य समाजी थे, इसलिये आर्य समाज आज मूक दर्शक बन कर नही रह सकता। यह देश शहीदो की अमानत है।

आर्य नेता राजेश मेहन्दीरता, विद्यासागर वमा, अरूण आर्य,हरिचन्द आर्य, सुरेश भगत,कै.अशोक गुलाटी, विजय सबवाल, गजेन्द चौहान, जीवनप्रकाश शास्त्री, भगतसिंह राठी, सुषमा शर्मा,जितेन्दसिंह आर्य,प्रदीप गोगिया,अंकुर आर्य आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। प्रधानमन्त्री व केन्द्रीय गृहमन्त्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया।

आर्य समाज से जुड़े संगठन आतंकवाद के खिलाफ धरना देते हुए।

தில்லி ஜே.என்.யு. பல்கலை. விவகாரத்தில் தேசத்துக்கு எதிராக முழக்கமிட்டவர்கள் மீது நடவடிக்கை எடுக்க வலியுறுத்தி, ஜந்தர் மந்தரில் செவ்வாய்க்கிழமை தர்ணாவில் ஈடுபட்ட ஆர்ய சமாஜ் அமைப்பினர்.

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का युवा निर्माण अभियान शुरू

अपने बच्चों को ईश्वर भक्त, मातृ पितृ भक्त, देश भक्त, चरित्रवान बनाने के लिये अपने निकट के शिविर में अवश्य भेजे:-

1. नोएडा–राष्ट्रीय आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर, दिनांक 11 जून से 19 जून 2016 तक, स्थानः ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर–44, नोएडा, सम्पर्कः सौरभ गुप्ताः 09971467978
2. दिल्ली–आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर, दिनांक 22 मई से 29 मई 2016, स्थानः आर्य समाज, विशाखा एनक्लेव, पीतमपुरा, दिल्ली, सम्पर्क–उर्मिला आर्या:09711161843
3. फरीदाबाद–आर्य युवक निर्माण शिविर, दिनांक 5 जून से 12 जून 2016 तक, श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर–88, फरीदाबाद, सम्पर्कः वेदप्रकाश शास्त्री : 09818045919
4. जम्मू–कश्मीर–आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर, दिनांक 19 जून से 26 जून 2016, आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू.सम्पर्कः सुभाष बब्बर : 09419301915
5. मध्य प्रदेश–आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर, दिनाक 8 मई से 15 मई 2016, स्थानः डी.ए.–577, दत अखड़ा, उज्जैन, मध्य प्रदेश, सम्पर्कः आ. भानुप्रताप वेदालंकार : 09977987777
6. हरियाणा–आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर, दिनांक 5 जून से 12 जून 2016, ग्राम–दोहाना खेरा, नरवाना, जिला जीन्द, सम्पर्क : अश्वनी आर्य : 09255422877
7. पलवल–आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर, दिनांक 12 जून से 19 जून 2016 तक, पलवल, हरियाणा, संयोजकः स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती : 09416267482

(पृष्ठ 1 का शेष)

परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री महेन्द्र भाई ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को आजादी के सही इतिहास को पढ़ाये जाने की आवश्यकता है, उन्होंने शहीदों के जीवन चरित्र को पाठयपुस्तकों में समुचित स्थान देने की मांग की।

चौ.लाजपतराय आर्य (करनाल) ने कहा कि आजादी केवल चर्खें तकली से नहीं आयी अपितु हजारों जवानों ने इसके लिये अपनी कुर्बानियां दी है। श्री दर्शन अग्निहोत्री ने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में जेल जाने वाले 80 प्रतिशत आर्य समाजी थे, आज राष्ट्र धर्म का पालन भी आर्य जनों को करना और करवाना भी होगा।

आर्य नेता रविन्द्र मेहता, जगदीश मलिक, नरेन्द्र आर्य ''सुमन'', रामकुमार सिंह, गोपाल जैन, हरिचन्द आर्य, प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), कै. अशोक गुलाटी (नोएडा), अनिल हाण्डा, सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य, राजेश मेहन्दीरता, महावीरसिंह आर्य, शिवम मिश्रा, मनोज मान, जीवनप्रकाश शास्त्री, अरविन्द मिश्रा, कमल आर्य, वेदप्रकाश आर्य, देवदत आर्य, भारतेन्द्र मासूम, डा.विपिन खेड़ा, विनोद गुप्ता आदि ने भी अपने विचार रखे। प्रधान मन्त्री व केन्द्रीय गृहमन्त्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया।

आर्य कुमार सभा व आर्य समाज विजय नगर का उत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 27 मार्च 2016, स्व. श्री इकबालराय बेदी द्वारा स्थापित आर्य कुमार सभा व आर्य समाज, विजय नगर डब्बल स्टोरी, दिल्ली के तत्वावधान में ''शहीद दिवस'' पर भव्य वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। श्रीमती दया आर्या व अशोक नागपाल के मधुर भजन हुए। चित्र में–महापौर श्री रविन्द्र गुप्ता का अभिनन्दन करते पूर्व पार्षद कै.इन्द्रजीतसिंह, डा. अनिल आर्य, रमेश डावर, ओम सपरा, अशोक नागपाल, श्रद्धानन्द आर्य (प्रधान,समाज), पी.डी.शर्मा, (प्रधान, आर्य समाज, तीमारपुर) व द्वितीय चित्र–आर्य समाज,मुखर्जी नगर के प्रधान श्री सुदर्शन तनेजा–शान्ता तनेजा का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,वेद भगत,ओम सपरा,वीरेन्द्र आहुजा व गोपाल आर्य। पं.अशोक वेदालंकार,आचार्य प्रेमपाल शास्त्री के उद्बोधन हुए। श्री ओम सपरा ने संचालन किया। प्रधान श्री श्रद्धानन्द आर्य ने आभार व्यक्त किया। शरद मलिक, सुदेश भगत, देवेन्द्र भगत, राकेश कुमार (वीरेन्द्रा पब्लिक स्कूल), राजेन्द्र बेदी, शशिभूषण, नथुराम भटेजा, के.के.सेठी, प्रेमसागर गुप्ता, रमेशचन्द शास्त्री, नेत्रपाल आर्य, सौरभ गुप्ता, शिवम मिश्रा,राकेश आर्य आदि उपस्थित थे। दयानन्द माडल स्कूल प्रताप नगर के बच्चों ने सुन्दर गीत प्रस्तुत किए।

आर्य समाज मदनगीर व रेलवे रोड रानी बाग, दिल्ली का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 27 मार्च 2016, स्व. श्री इकबालराय बेदी द्वारा स्थापित आर्य कुमार सभा व आर्य समाज, विजय नगर डब्बल स्टोरी, दिल्ली के तत्वावधान में ''शहीद दिवस'' पर भव्य वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। श्रीमती दया आर्या व अशोक नागपाल के मधुर भजन हुए। चित्र में–महापौर श्री रविन्द्र गुप्ता का अभिनन्दन करते पूर्व पार्षद कै.इन्द्रजीतसिंह, डा. अनिल आर्य, रमेश डावर, ओम सपरा, अशोक नागपाल, श्रद्धानन्द आर्य (प्रधान,समाज), पी.डी.शर्मा, (प्रधान, आर्य समाज, तीमारपुर) व द्वितीय चित्र–आर्य समाज,मुखर्जी नगर के प्रधान श्री सुदर्शन तनेजा–शान्ता तनेजा का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,वेद भगत,ओम सपरा,वीरेन्द्र आहुजा व गोपाल आर्य। पं.अशोक वेदालंकार,आचार्य प्रेमपाल शास्त्री के उद्बोधन हुए। श्री ओम सपरा ने संचालन किया। प्रधान श्री श्रद्धानन्द आर्य ने आभार व्यक्त किया। शरद मलिक, सुदेश भगत, देवेन्द्र भगत, राकेश कुमार (वीरेन्द्रा पब्लिक स्कूल), राजेन्द्र बेदी, शशिभूषण, नथुराम भटेजा, के.के.सेठी, प्रेमसागर गुप्ता, रमेशचन्द शास्त्री, नेत्रपाल आर्य, सौरभ गुप्ता, शिवम मिश्रा,राकेश आर्य आदि उपस्थित थे। दयानन्द माडल स्कूल प्रताप नगर के बच्चों ने सुन्दर गीत प्रस्तुत किए।

आर्य समाज भेरा एनक्लेव में कवि सम्मेलन व शोभा आर्या की श्रद्धाजंलि सभा सम्पन्न

मंगलवार, 22 मार्च 2016, आर्य समाज, भेरा एनक्लेव, दिल्ली में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन प्रधान श्री चन्द्रमोहन खन्ना की अध्यक्षता में किया गया। पूर्व महापौर डा.महेश शर्मा मुख्य अतिथि रहे। चित्र में–डा. अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए। श्री जयसिंह आर्य जय ने कुशल संचालन किया व डा.जे.पी.सिंह ने व्यवस्था सम्भाली। द्वितीय चित्र– पंतजलि पीठ हरिद्वार के केन्द्रीय प्रभारी व परिषद के पूर्व हरियाणा प्रान्तीय अध्यक्ष डा.जयदीप आर्य (अजयवीर आर्य,हरेन्द्र चौधरी,करनाल) की पूज्य माता श्रीमती शोभारानी आर्या की श्रद्धाजंलि सभा में सम्बोधित करते डा.अनिल आर्य। ईश आर्य,राकेश मितल,प्रो.राजेन्द्र विद्यालंकार,सत्येन्द्रमोहन कुमार,स्वतन्त्र कुकरेजा आदि ने श्रद्धाजंलि अर्पित की।

आर्यों के तीर्थ स्थल पाखण्ड खण्डिनी पताका स्थली व व्यास आश्रम हरिद्वार

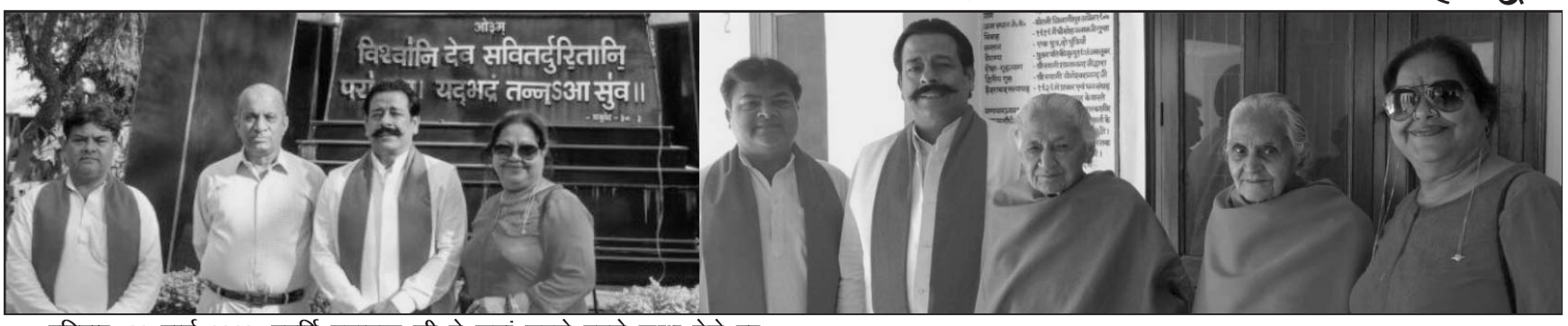

रविवार, 20 मार्च 2016, महर्षि दयानन्द जी ने जहां सबसे पहले कुम्भ मेले पर पाखण्ड खण्डनी पताका फहरायी थी वह स्थान है वैदिक मोहन आश्रम भूपतवाला, हरिद्वार, आश्रम प्रबन्धक प्रि.धनीराम के साथ डा.अनिल आर्य,प्रवीन आर्या व धर्मपाल आर्य। द्वितीय चित्र–व्यास आश्रम,सप्तऋषि मार्ग,हरिद्वार में कर्मठ तपस्वी मातायें विमला व शान्ता जी के साथ डा. अनिल आर्य, प्रवीन आर्या व धर्मपाल आर्य।

कम्युटर कोर्स व योग कक्षायें:–

आर्य समाज, गुड़ मण्डी, दिल्ली–110007 में तीन महिने का कम्युटर डिप्लोमा कोर्स 300 रू.प्रतिमास में करें व प्रातः सायं योग कक्षाओं का लाभ उठायें, **सम्पर्क करें–वीरेन्द्र आहुजा: 9910715716.**

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री नरेन्द्र बजाज (पति श्रीमती अन्जु बजाज, डिफेन्स कालोनी) का निधन।
2. श्रीमती बलदेवी रखेजा (माता सुदेशवीर आर्या, सूर्य निकेतन) का निधन।
3. आर्य भजनोपदेशक पं. उदयवीर शास्त्री के सुपुत्र का निधन।
4. श्री रामपतप्रसाद (बिहार, ससुर प्रकाशवीर शास्त्री) का निधन।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970